an>

Title: Need to provide assistance @ Rs. 2500/- per month to the differently-abled persons in the country.

श्री गोपाल शेट्टी (मुम्बई उत्तर) : अध्यक्ष महोदया, मैं देशभर के दृष्टिहीन और अपाहिजों के बारे में एक बहुत महत्वपूर्ण विषय आपके ध्यान में लाना चाहता हूं। इसके बारे में मेरा एक प्राइवेट मेम्बर बिल लगा हुआ है, 12 तारीख को मैं एक रिज्योल्यूशन भी मूव कर रहा हूं और सौभाग्य से आज जीरो आवर में भी यह विषय उठाने का मौका मिला है, यह भगवान की ओर से संकेत है कि इन लोगों की ओर हमें ध्यान देना चाहिए।

जब देश के प्रधानमंत्री जी सबका साथ और सबका विकास की बात करते हैं, तो हमारे देशभर में जो दृष्टिहीन लोग हैं, उनकी बहुत ही दयनीय अवस्था आज है। केन्द्र सरकार की एक स्कीम है, जिसमें उनको 300 रुपये प्रतिमाह दिया जाता है और मैचिंग ग्रान्ट देने के लिए राज्य सरकार को कहा गया है, लेकिन इन दृष्टिहीन लोगों के पास घर न होने की वजह से उनके पास राशन कार्ड नहीं है। राशन कार्ड न होने की वजह से उसमें इनका एनरोलमेंट ही नहीं होता है। आपको पता है कि बहुत से राज्यों में विधवा बहनों को 2000 रुपये प्रतिमाह दिए जाते हैं, लेकिन दृष्टिहीन लोग, जो बिल्कुल नहीं देख सकते हैं, उनको एक रुपया भी नहीं दिया जाता है।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इन लोगों को हर माह कम से कम 25,000 रुपये मुआवजा देने की व्यवस्था अगर की जाती है तो बहुत बड़ा क्रान्तिकारी काम हो सकेगा। जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम देश में सबका साथ-सबका विकास की बात करते हैं तो यह काम होगा।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपसे निवेदन करता हूं कि आप स्वयं इसमें हस्तक्षेप कीजिए और इतने बड़ी संख्या में जो दृष्टिहीन लोग देश में हैं, उनके लिए यह बहुत बड़ा काम होगा। आजादी के 68 साल तक इतने गंभीर विषय पर किसी ने ध्यान नहीं दिया है। मैं आपके माध्यम से फिर एक बार रिक्वेस्ट करना चाहूंगा, गुजारिश करना चाहूंगा, विनती करना चाहूंगा कि आप इस मुद्दे को गंभीरता से लीजिए ताकि मुझे इसमें थोड़ा बल प्राप्त होगा।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री प्रहलाद सिंह पटेल, श्री पी.पी.चौधरी, श्री अरविंद सावंत, श्री श्रीरंग आप्पा बारणे, डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे, कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल एवं श्री भर्तृहरि महताब को श्री गोपाल शेट्टी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री रत्न लाल कटारिया - उपस्थित नहीं।

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा ।